



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसिद्धाकरण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (II)

PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 205] नई दिल्ली, बुधवार, मई 1, 1974/ वैशाख 11, 1896

No 205] NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 1, 1974/VAISAKHA 11, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 1st May 1974

S.O. 278(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development No. S.O. 28(E), dated the 11th January, 1974 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Sri Bharathi Mills Limited, Pondicherry or the company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company shall remain suspended for a period upto and inclusive of the 4th May, 1974, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of one year;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order by a further period of one year upto and inclusive of the 4th May, 1975.

[No. 28013/115/73-NTC]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

औद्योगिक विकास मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 1 मई 1974

का० आ० 278 (अ).—यतः केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 बख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 26 (ई), तारीख 11 जनवरी, 1974 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी होने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त (बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से सम्बन्धित से भिन्न) ऐसी सभी संधिवाचों, संपत्ति के हस्तान्तरण-पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थाई आदेशों या अन्य लिखितों का प्रवर्तन, जिनका श्री भारती मिल्स लिमिटेड, पाण्डेवरी, नामक औद्योगिक उपक्रम या ऐसे औद्योगिक उपक्रम का स्वामित्व रखने वाली कम्पनी को लागू हो, 4 मई, 1974 तक की अवधि पर्यन्त जिसमें वह भी सम्मिलित है, निलम्बित रहेंगे और उक्त तारीख के पूर्व उनके आधीन उद्भूत या उत्पन्न होने वाले सभी अधिकार, विषयाधिकार, आध्यता और दायित्व उक्त अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे ;

और यतः केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि एक वर्ष की अवधि के लिए और बढ़ा दी जानी चाहिए ;

अतः, अध, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 बख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसद्वारा उक्त आदेश को अवधि को 4 मई, 1975 जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, की अवधि के लिए बढ़ाती है।

[सं० का० 28013 115/72-एन० टी० सी०]

डी० के० सक्सेना, संयुक्त सचिव ।